Dainik Jagran 11-4-26

सिटी स्पंदन
चंडीगढ़, 11 अप्रैल, 2026 www.jagran.com

- टाईकान चंडीगढ़-2026 में सेशन के दौरान जागृति पाहवा और जय ने साझा किए अनुभव
- सेशन क्रिएटर्स टू ब्रैंड्स : द राइज आफ इंडियाज जेन जी पर था बेस्ड
- कंटेंट क्रिएटर की दुनिया में इन दोनों ने बनाई है पहचान, सेशन के दौरान नए क्रिएटर्स को दिए खास टिप्स

जागृति पाहवा, जय अरोड़ा से बातचीत करते टाई चंडीगढ़ चैप्टर के पास्ट प्रेजिडेंट ह्देश मदान • जागरण

क्रिएटर्स से ब्रांड तक जेन-जी का डिजिटल सफर

स्पाइस रिपोर्टर, चंडीगढ़ : कंटेंट क्रिएटर की दुनिया देखने में जितनी आसान लगी है उतनी होती नहीं। उन्हें न जाने कितनी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। इंतजार करना उस वक्त का जब उन्हें सफलता मिले। इसके बाद भी कहानी यहीं पर खत्म नहीं होती। क्योंकि किसी एक मुकाम पर पहुंचने के बाद उनकी जिम्मेदारी पहले से ज्यादा बढ़ जाती है, उन्हें लगातार बने रहने के,लिए काम करना करना पड़ता है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि उनका सफर बन जाता है दूसरों के लिए प्रेरणा। ऐसे ही सफलता की कहनियां सुनने को मिली होटल हयात रीजेंसी में। यहां पर टाईकान चंडीगढ़-2026 चल रहा है। इसे टाई के चंडीगढ़ चैप्टर की ओर से करवाया जा रहा है। इस बार थीम है इंडिजिनियस इनोवेशन, ग्लोबल इम्पैक्ट। शुक्रवार की सुबह से लेकर शाम तक कई सेशन व गतिविधियां हुईं। हर एक का उद्देश्य यही था कि लोगों को जागरूक किया जाए और आगे बढ़ने के लिए मंच दिया जाए। इसके अलावा सफलता की कहानियों पर आधारित भी कई सेशन हुईं। इनमें से एक था क्रिएट्र्स टू ब्रैंड्सः द राइज आफ इंडियाज जेन जी। यह सेशन दैनिक जागरण के सहयोग से करवाया गया। इसमें स्पीकर्स थे जागृति पाहवा और जय अरोड़ा। जागृति पाहवा कंटेंट क्रिएटर और इंफ्लूएंसर है वहीं जय अरोड़ा टेक कंटेंट क्रिएटर है। इनसे बातचीत की टाई के चंडीगढ़ चैप्टर के पास्ट प्रेजिडेंट ह्देश मदान ने। कंटेंट क्रिएटर्स ने कहा कि सही दिशा, निरंतरता और रुचि के अनुसार काम करने से डिजिटल दुनिया में सफलता हासिल की जा सकती है। रही बात एआई की तो इसके सकारात्मक पहलुओं की बात करें तो अगर एआई को सीखा और समझा जाए तो कंटेंट को बेहतर बनाया जा सकता है।

कम समय में बात कहना मुश्किल हो जाता था

अपने सफर के बारे में कंटेंट क्रिएटर जागृति पाहवा ने बताया कि स्कूल के दिनों में मुझे एक्टिंग का शौक था, लेकिन कालेज पहुंचने के बाद यह शौक खत्म हो गया। मैंने पढ़ाई की है एसडी कालेज में। इस दौरन मुझे यूट्यूब के जरिए चंडीगढ़ को एक्सप्लोर करने का विचार आया। माना कि मैं पढ़ाई में अच्छी थी, लेकिन मेरा मन हर समय कंटेंट क्रिएशन की ओर हीं रहता। शुरुआत में मैंने लंबे वीडियो बनाए और इन्हें जारी रखा। ऐसा इसलिए क्योंकि एक मिनट में पूरी जानकारी देना मुश्किल लगा।

टिप्स-नए क्रिएटर्स को सलाह देते हुए जागृति ने कहा कि एक खास तरह के कंटेंट पर फोकस करना जरूरी है, ताकि एक टारगेट आडियंस तैयार की जा सके। अगर आपका कंटेंट अच्छा है, तो आने वाले समय में लोग अन्य प्रकार के कंटेंट को भी पसंद करने लगते हैं।

आसान भाषा में टेक्नोलाजी के बारे में जानकारी देना उद्देश्य

टेक कंटेंट क्रिएटर जय अरोड़ा ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कंटेंट क्रिएटर बनूंगा। मैं इंट्रोवर्ट था, लेकिन मुझे टेक्नोलाजी में दिलचस्पी थी। जिंदगी में मोड़ तब आया जब कालेज में पढ़ाई में मन न लगने पर यूट्यूब चैनल शुरू किया। यह बात वर्ष 2019 की है। मेरा उद्देश्य यह भी था कि लोगों को आसान भाषा में टेक्नोलाजी के बारे में जानकारी दी जाए। शुरुआत में मैंने खुद से ही जानकारी हासिल की। जो सीखा खुद से ही सीखा।

टिप्स- नए क्रिएटर्स को सलाह देते हुए जय अरोड़ा ने कहा कि पहले के समय में यूट्यूब पर लंबे वीडियो का ही चलन था और लोगों को प्लेटफार्म की ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन आज के समय में शुरुआत करना काफी आसान हो गया है। लेकिन इस बात को भी समझना चाहिए कि जिस तरह से हर क्षेत्र में संघर्ष होता है और तरह से इस फील्ड में भी। क्योंकि यूट्यूब भी इससे अलग नहीं है। कई बार फिल्म भी फ्लाप हो जाती है, इसलिए असफलता से घबराने की बजाय लगातार प्रयास करना जरूरी है।